भजन

पिया हमको आए बहुत देर बीती
बिछुड़ गए हैं वोह रंगी नजारे-2
सितम सहते सहते बहुत देर बीती
1- इश्क रब्द बड़ी मंहगी पड़ी है,
हाथ न आए बीती घड़ी है
हंसी में छिपे हैं आंसू हमारे,
बहाते बहाते बहुत देर बीती

2-करके तो देखो पिया फिर वोह इनायत,
अब तो रहेंगे हम खामोश साहेब
अपनी तो कोई हस्ती नहीं है,
कसालों में रहते बहुत देर बीती

3- परदेस में किसको खुशियां मिली हैं,
ऐसे में किसके दिल की कलियां खिलीं हैं
दर पे खड़े हैं देखो तुम्हारे,
सजदा बजाते बहुत देर बीती